



ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE

24, AKBAR ROAD, NEW DELHI
COMMUNICATION DEPARTMENT

Highlights of the Press briefing

Held at 1615 Hours 14.08.2014

Shri Salman Khurshid addressed the media today.

श्री सलमान खुरशीद ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि आज एक बहुत महत्वपूर्ण पर्व है हमारे लिए, हमारे देश के लिए, हमारे सबके लिए। कल ध्वजारोहण होगा लालकिले पर, भारत की आजादी का स्वतंत्रता दिवस को हम सब लोग मिलकर मनाएंगे। मैं इस अवसर पर आप सभी को पहले से ही बधाई देता हूँ और उसी के साथ-साथ यह आशा और उम्मीद करता हूँ कि आने वाला वर्ष हमारे देश के लिए, हम सब के लिए, हमारे सभी को, परिजनों के लिए सफल और सुखद समय रहेगा। इसी के साथ जन्माष्टमी से पहले हम लोग शायद हमारी फिर से भेंट नहीं होगी तो उसके लिए भी मैं आपको अपनी शुभकामनाएं कांग्रेस पार्टी की ओर से प्रस्तुत करता हूँ क्योंकि यह शुभ अवसर है।

Shri Salman Khurshid further said on this wonderful happy occasion when India celebrates its success, we on behalf of the Congress party, AICC take this opportunity to congratulate Dr. Manjul Bhargava of Indian origin who has made us proud by being awarded Fields Medal of Mathematics. He is at Princeton University and this international award is seen as perhaps on par if not next to Nobel Prize in the field of scholarship in any subject. Along with him Dr. Subhash Kote who is again a person of Indian origin who has received the award. We congratulate them and celebrate in their success. While we celebrate the success of overseas Indians, people of Indian origin that make us proud I just want to add foot note that this has not happened in three months. This is part of a generation of the Indian spirit and the idea of India that has been uncalculated and that has been nurtured and assiduously and very sincerely supported by the Congress Party and the UPA government over the past decade and then of course the long history of our working on a successful glorious nation but while we look at the happy side and right side of our heritage, there is concern that I must express and share with you.

जब मैंने आप से कुछ दिन पूर्व वार्ता की थी, उस समय मैंने कुछ बिन्दु आपके समक्ष रखे थे जिनका हमारी विदेश नीति से संबंध है और कहा था कि ऐसा हुआ है हमारे और पाकिस्तान के बीच, कि जिसको लेकर भारत की तत्कालीन सरकार ने यह माना कि उनको अब वार्ता की ओर बढ़ना चाहिए, पाकिस्तान के साथ वार्ता आरम्भ करनी चाहिए और विदेश सचिव को पाकिस्तान जाने के आदेश हैं जो कि अगले दस दिन में पाकिस्तान जाएंगे। क्या है पाकिस्तान के संदर्भ में हमारी नीति यह प्रश्न इसलिए उठता है कि अभी प्रधानमंत्री महोदय लद्दाख से कह आए हैं और लद्दाख में उन्होंने कुछ स्पष्ट शब्दों में पाकिस्तान की आलोचना की और कहा कि पाकिस्तान में अब वो शक्ति तो नहीं कि हमारे साथ सीधा-सीधा युद्ध कर सके, लेकिन वो कहीं ना कहीं पाकिस्तान खुराफात करता रहता है और हम समझते हैं कि इसको बड़ी गंभीरता के साथ लेना चाहिए, हम भी लेते हैं और लेते रहे हैं परन्तु यह क्यों नहीं बताते कि वो गंभीरता को लेकर क्या करने जा रहे हैं। एक तरफ बातचीत होगी और दूसरी तरफ गंभीर रहेंगे तो यह कैसे संभव है और बात केवल एकतरफा नहीं है। बात सिर्फ इतनी नहीं है कि हमारे प्रधानमंत्री जी ने आलोचना की या कोई आरोप लगाया। उनका भी उस पर तत्काल उनकी प्रतिक्रिया भी आई और वो प्रतिक्रिया में समझता हूँ कि हमारे प्रधानमंत्री के बारे में थी इसलिए उस प्रतिक्रिया की जो ठेस है वो हम सबको लगती है। लेकिन हमारे प्रधानमंत्री स्वयं ऐसी स्थिति में अपने आपको पहुंचा देते हैं कि ऐसी बात विदेश से कही जाए पाकिस्तान से कही जाए। इस पर प्रश्न उठता है कि आखिरकार हमारी नीति क्या है, क्या हम करना चाहते हैं।

वैसे भी लद्दाख गए थे, लेह में उन्होंने इसकी चर्चा की और जो पाकिस्तान की ओर से कई बार नियंत्रण रेखा पर जो उल्लंघन हुए हैं उसके संदर्भ में उन्होंने अपनी बात रखी। लेकिन जहां वो थे, वहां पर बड़ा प्रश्न जो था वो कुछ और था, वहां बड़ा प्रश्न जो था वो चीन के संदर्भ में था और चीन के संदर्भ में उन्होंने कुछ नहीं कहा। बल्कि हम यह जानते हैं कि इसी के साथ-साथ जो गृहमंत्री हैं माननीय राजनाथ सिंह जी जिनके बारे में हमको यह सूचना मिली थी आप लोगों के माध्यम से कि उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं है, वो अस्पताल में भर्ती हैं। अभी पता चला है कि वे वहां से स्वस्थ अपने कार्य पर लौटे हैं। लेकिन राजनाथ सिंह जी ने 17 जुलाई को यह कहा था कि चीन की ओर से जो घुसपैठ होती है उसका मुख्य कारण क्या है। उसका मुख्य कारण यह है कि अभी चीन और हमारे बीच में असली नियंत्रण रेखा को लेकर विचारों का कुछ न कुछ विवाद है हमारे और उनके विचार अलग-अलग हैं। मुझे क्षमा करेंगे राजनाथ सिंह जी और आप भी, मुझे लगता है कि हमारी कही हुई बात है। हम भी कहते थे कि विचारों की एक समस्या है क्योंकि असली नियंत्रण रेखा को चिन्हित नहीं किया गया है। इसकी ही बातचीत और चर्चा हम सत्रह राउन्ड के साथ कर चुके हैं। आगे चलकर हमको उम्मीद है कि नक्शे दोनों की ओर से दिए जाएंगे और कहीं ना कहीं जैसे वो मिडल सैक्टर कहलाता है और पूर्वी सैक्टर कहलाता है उसमें हम लोगों का एक समन्वय बनेगा। लेकिन ऐसा नहीं है क्योंकि अभी विचारों में कुछ ना कुछ विवाद मौजूद है।

हमने जब यह कहा था तो हम पर यह आरोप लगे थे, मुझे याद है कि संसद में मेरी बात को कहने की वजह से बड़ा हंगामा हुआ था। लेकिन आज उसी बात को गृहमंत्री जी ने उसको दोहराया है। प्रधानमंत्री अब इस पर कुछ नहीं बोलते, जब प्रधानमंत्री नहीं थे, तो अवश्य बोला करते थे और क्या बोला करते थे पिछले वर्ष 11 अगस्त की बात है जब उन्होंने कहा था अंग्रेजी में ।

“People are losing faith in the government. Delhi is blind owing to its vote bank politics, movement of Pakistan and China can be seen even on google map. China had intruded and they went back but our own soldiers had to retreat within our own country as a bargain set. Mr. Modi is climbing on UPA's foreign policy on China”.

मेरा आप से आग्रह है कि इसको प्रधानमंत्री जी तक पहुँचाईए और प्रधानमंत्री जी से कहें कि गूगल मैप फिर खोलकर देखें और उसके बाद कुछ ना कुछ कहें। कल उनको एक अवसर है कहने का अगर सच्चाई को इस बात को देख के सामने स्वीकार कर सकते हैं कि उन्होंने जो भी कहा था वो उचित नहीं था, वो अनुचित था, इस बात को स्वीकार करें तो मैं समझता हूँ कि उनका बड़प्पन होगा और हमारे देश के लिए एक बड़े हित की बात होगी।

विदेशमंत्री जी को भी मैं याद दिलाऊँ, हमारी मित्र हैं सुषमा स्वराज जी, उन्होंने यहां तक कह दिया था, अप्रैल 2013 की बात है कहा था कि मैं सतर्क करना चाहती हूँ तत्कालीन भारत की सरकार को अगर वो इस पर अंकुश नहीं लगाते हैं तो कहीं ऐसा ना हो कि हमको एक बार फिर 1962 इस देश में देखना पड़ जाए इस बात को उन्होंने कहा था। उसी के साथ-साथ मैं उनको, प्रधानमंत्री को एवं गृहमंत्री को याद दिलाऊँ कि 15 जुलाई 22 जुलाई और 2 जून को चीन की ओर से घुसपैठ हुई है और उसमें एक घुसपैठ का समय वही था जब ब्रिक्स में चीन के साथ प्रधानमंत्री महोदय की बातचीत चल रही थी। 13 मई की एक और घटना घटी थी लद्दाख में लेकिन वो बात शायद प्रधानमंत्री पूरी तरह से भूल गए हैं कि जब उन्होंने इस बात को कहा था कि चीन को अपने Expansionist mind को समाप्त करना चाहिए, उस पर अंकुश लगाना चाहिए। Expansionist mind क्या अब संकुचित हो गया है कि अब Expansionist mind नहीं रहा है इस बात को वे देश के सामने स्पष्ट रूप से रखें।

To a question over the Pak policy and whether the Congress is to go ahead with it and whether the Congress party is opposed to it or favouring it, Shri Khurshid said I think before being trying to be honest with P akisnta and trying to get Pakistan to be honest with us, I think it is important that we become honest amongst ourselves. We want to know about their policy is. I think it was said in parliament by the Home Minister and very brave of the Home Minister to

say this and I think on this nobody would not support the Home Minister that he intends and is determined to bring fugitive back from Pakistan who is seen in India as enemy No. 1 for the enormous amount of distress that he caused us in Mumbai and he wants to bring that guy back and now if he wants to bring that person back - a fugitive, a criminal - what happened during the conversations with the Prime Minister when the two Prime Ministers met at the time of the gathering of SAARC leaders when they came for oath ceremony. Was this issue said as vociferously and as strongly and as clearly to the Prime Minister of Pakistan? We would want to know. I think there should be little bit of honesty. Nobody wants to know secret operations, that might be necessary or information that are available with intelligence agencies but at least the broad principle should be clear and that broad principle should not only be repeated in parliament or anywhere else for getting quick popularity but actually should be shared with those who have had to deal in the past and hopefully would deal with in the future.

To another question as to what went wrong especially on the lines that our neighbouring countries became our enemy, Shri Khurshid said I don't think that is correct to say unless that is your assessment or what has happened recently. Our neighbours are not enemies. We had the best of our relations with our neighbours. Of course, our neighbours have their own domestic concerns; we have our own domestic concerns. There are political aspirations of people of different countries otherwise we would not be different countries. We are different countries because there is collection of people who feel together as one whole people and they have aspirations but we also have over the years found to look at connectivities and overlaps where our common interests should be looked at and that is what India has consistently followed as a policy. We had outstanding relationship with our neighbours even with China. I am glad to say and we feel that we have a proud record of ten years of dealing with China of the UPA in which I believe our Prime Minister met the Chinese leadership on a separate occasion both in India and China bilaterally. Our only problems have been with Pakistan and I think that is a clear history, you know the baggage of history and you know how much that has cost us but inevitability of living together with your neighbours is that is what we have enlightened way and we tried to work towards that but ensuring that we protect our national interest.

On the question of the reaction of the Congress party over the statement of Shri Manohar Parrikar, Shri Khurshid said the fact is that somebody in some other country see somebody in some other form and gives a label or a name, why

should that worry us. You are familiar with the colonial language in London; a lot of people who have dark skin are called 'Pakies'. It does not mean that if we are in London, we become Pakistanese. It is a people with less experience often express themselves in a manner that perhaps more experienced persons would not accept it or justify it.

On the question of reaction of the Congress party over the statement of Shri Omar Abdullah on Indian army, Shri Khurshid said this is a local administrative issue. I don't think this should be seen as a major issue. These sorts of issues are resolved in normal course of business.

एक अन्य प्रश्न पर कि एक तरफ तो श्री राहुल जी कहते हैं कि हमें बोलने नहीं दिया जाता और जब मौका आया तो वे नहीं बोले, श्री खुरशीद ने कहा कि एक बात आप को समझने की है कि हमारे नेता जी ने यह चाहा था कि पार्टी को बोलने का अवसर मिले। यह नहीं कि सारी बात वे खुद ही कहेंगे और खुद ही अपने तक सीमित रखेंगे। वो चाहते थे कि पार्टी के लोगों को बोलने का समय मिले। और मैं समझता हूँ कि इसमें सफल होने के बाद उन्होंने यह माना कि ऐसा ना हो कि लोग यह ना समझें कि वो अपने लिए कह रहे थे, वो चाहते थे कि पार्टी के सब नेताओं को अवसर मिले और इसीलिए चुन-चुनकर उन्होंने सुनिश्चित किया होगा कि कौन-कौन बोलेगा। अगर बोलने में कहीं पर कोई त्रुटि रह जाती है या कमी रह जाती तो अवश्य फिर उसमें हस्तक्षेप करते। लेकिन मुझे लगता है कि जिस गंभीरता से वो सबकी बात सुनते रहे, संतुष्ट रहे होंगे कि उन्होंने जिन लोगों को चयन किया था वो उस दिन की डिबेट के लिए उचित रहा।

To another question on the reaction of the Congress party over the comments passed by Mr. Kirti Azad of BJP on Mr. Kharge of the Congress that he was in the dark when discussion on communal violence was going on, Shri Khurshid said frankly you have to choose who to play on a particular day and our leadership then picks people who they believe at the moment are best equipped for that particular subject. I don't think that this should be linked up with leaders' themselves not speaking. This is not the first and the last debate. This is only a build up to a very important discussion which is going to finally decide the destiny of the nation. You will see more and more interventions made at different levels. I don't think we can sit and here and judge parliamentarians how they perform. In any case the point is that what Mr. Rahul Gandhi wanted was this issue to be flagged publically; the issue has been flagged significantly.

To another question that Mr. Nawaz Sharif on Independence Day of Pakistan today has mentioned about the Kashmir issue in context to what Mr. Modi and the MEA has said, Shri Khurshid said that Kashmir is really an internal matter of our country. Of course, we had agreed that there was a bilateral dispute that would be resolved only if they give us satisfaction on being honest sincere in dealing with us, they can't put gun to our head and expect us to sit down and talk to them. I am repeating the words of our PM and I am repeating those words. But having said that there are issues that we will resolve at home, there are issue we need to resolve at home amongst ourselves, amongst the brothers and sisters of our country, we will resolve our issue, that is not for Pakistan to tell us how to do it and why interfere with it but if to the extent that Pakistan has historical dispute that it believes it has a cause to put across it to us, that is only possible if they comply with the basic conditions that are necessary for two countries to talk to each other and the basic conditions that were assumed in the Shimla Agreement would be available from both sides. We think that Pakistan has not fulfilled that commitment which is the reason why there is no conversation today.

पाकिस्तान द्वारा लगातार युद्ध विराम का उल्लंघन पर पूछे गए प्रश्न पर श्री खुर्शीद ने कहा कि मैं केवल अन्दाजा लगा सकता हूँ और इतना ही कहूँगा कि हम कैसे ऐसी स्थिती से निपटेंगे हमारी अंतर्राष्ट्रीय छवि के लिए इसका बहुत बड़ा महत्व है। लोग हमको मानते हैं कि हममें संयम है शक्ति के साथ संयम है, यह मानते हैं कि हम आसानी से उत्तेजित नहीं होते और हमने बहुत नुकसान उठाया है केवल इसलिए इस क्षेत्र में शांती बनी रहे और इसको लेकर पूरे विश्व में भारत को एक अच्छा स्थान भी मिला है लेकिन कहाँ पर क्या उचित है यह जिम्मेदारी तो सरकार की होती है, सरकार तय करेगी। हम से अगर परामर्श चाहिए सरकार को तो ले लें। सरकार के पास कितना अनुभव है उसका अन्दाजा आपको लग चुका होगा। हमारे अनुभव का अगर वो फायदा उठाना चाहते हैं तो हम यह अनुभव उनको देने के लिए तैयार हैं क्योंकि यह देश हित की बात होगी देश हित के लिए हम कुछ भी करने को तैयार रहेंगे।

(Tom Vadakkan)
Secretary
Communication Deptt.